<u>जनपद झांसी में दिनांक 10/02/2016 को राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस (एन0डी0डी0) हेतु किये गये अनुश्रवण की भ्रमण रिपोर्ट–</u>

टीम के सदस्य–

1. डा0 सविता दूबे– अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, झांसी मण्डल।
2. श्री प्रदीप बाबू– प्रशिक्षण एवं अनुश्रवण अधिकारी, कम्यूनिटी प्रोसेस।
3. श्री सन्तोष कुमार पाण्डेय– कार्यक्रम समन्वयक, एन0सी0डी0।

दिनांक 09/02/2016 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी, झांसी के आवास पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, झांसी की अध्यक्षता में कार्ययोजना एवं भ्रमण हेतु चर्चा की गई, जिसमें टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय, टाकोरी, ब्लाक– बड़ागांव

विद्यालय में दवा उपलब्ध नही थी, अध्यापक एन0डी0डी0 हेतु प्रशिक्षित नहीं थे जिसके कारण अध्यापकों को किसी प्रकार की जानकारी नहीं थी जिस पर अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, झांसी मण्डल द्वारा मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि तत्काल दवा एवं अन्य लाजिस्टिक की व्यवस्था सुनिशित की जाये। नोडल अधिकारी, आर0बी0एस0के0/आर0के0एस0के0, झांसी द्वारा अवगत कराया कि हैडआउट एवं रिपोर्टिंग प्रपत्र यदि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में वितरित कराना उचित होगा, इससे प्रत्येक प्राथमिक विद्यालयों में समस्त लॉजिस्टिक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

आ0वा0 केन्द्र, टाकोरी, ब्लाक– बड़ागांव

आ0 वा0 केन्द्र पर बच्चों को दवा खिलाकर पूर्वं से तैयार सूची में निशान लगाया जा रहा था एवं प्रचार–प्रसार हेतु पोस्टर बैनर लगा हुआ था।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय, बराटा, ब्लाक– बड़ागांव

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, झांसी द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय, बराटा में एक बच्चे को दवा खिलाकर उद्घाटन किया गया, बच्चों को दवा खिलाकर पूर्वं से तैयार सूची में निशान लगाया जा रहा था एवं प्रचार–प्रसार हेतु पोस्टर बैनर लगा हुआ था, बच्चों को कृमि से होने वाले दुष्परिणाम एवं बचाव के सम्बन्ध में अध्यापकों द्वारा जानकारी दी गयी थी। मेडिकल संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली स्टाफ नर्स का सहयोग भी जनजागरूकता हेतु लिया जा रहा था। आर0बी0एस0के0 की टीमों द्वारा भी कार्यक्रम के दौरान सहयोग प्रदान किया जा रहा था।

आ0वा0 केन्द्र, बराटा, ब्लाक– बड़ागांव

आ0 वा0 केन्द, बराटा में साफ सफाई अच्छी थी, बच्चों को दवा खाने के बाद पानी पीने की व्यवस्था अच्छी थी, पर बच्चों को दवा खिलाकर पूर्वं से तैयार सूची में निशान लगाया जा रहा था एवं प्रचार–प्रसार हेतु पोस्टर बैनर लगा हुआ था। आशा द्वारा बच्चों को दवा खाने में हेतु सहयोग प्रदान किया जा रहा था। बच्चों को दवा पीसकर खिलाने हेतु सलाह दी गयी।

प्राथमिक विद्यालय, बरल, ब्लाक– चिरगांव

एल्बेन्डाजोल दवा खिलाये जाने हेतु कोई भी अध्यापक प्रशिक्षित नहीं था, प्रधानाध्यापक द्वारा अवगत कराया गया कि प्रशिक्षण के सम्बन्ध में उन्हे किसी भी प्रकार की सूचना नहीं दी गई थी, जिसके सम्बन्ध में नोडल अधिकारी, झांसी एवं डी0सी0पी0एम0 द्वारा ए0बी0एस0ए0, चिरगाँव को उक्त के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गई। बच्चों की सूची नहीं बनायी गयी थी, प्रचार–प्रसार हेतु पोस्टर एवं बैनर टीम के भ्रमण दौरान लगाया जा रहा था। स्कूल में उपस्थित बच्चों को एक पंक्ति

में खड़ाकर एक साथ दवा खिलाई जा रही थी, जिस पर टीम द्वारा सलाह दी गई कि एक–एक बच्चें को अपने सामने दवा खिलाई जाये।

आ0वा0 केन्द्र, बरल, ब्लाक– चिरगांव

बच्चों को दवा खाने के बाद पानी पीने की व्यवस्था अच्छी थी, पर बच्चों को दवा खिलाकर पूर्वं से तैयार सूची में निशान लगाया जा रहा था एवं प्रचार–प्रसार हेतु पोस्टर बैनर लगा हुआ था। आशा द्वारा बच्चों को दवा खाने में हेतु सहयोग प्रदान किया जा रहा था।

कन्या प्राथमिक विद्यालय, बम्हरौली, ब्लाक– मोठ

एल्बेन्डाजोल दवा खिलाये जाने हेतु अध्यापक प्रशिक्षित थे, बच्चों की सूची बनायी गयी थी, प्रचार–प्रसार हेतु पोस्टर एवं बैनर लगा हुआ था। स्कूल में उपस्थित बच्चों को एक पंक्ति में खड़ाकर एक साथ दवा खिलाई जा रही थी, जिस पर टीम द्वारा सलाह दी गई कि एक–एक बच्चें को अपने सामने दवा खिलाई जाये।

आ0वा0 केन्द्र, बम्हरौली, ब्लाक– मोठ

बच्चों को दवा खाने के बाद पानी पीने की व्यवस्था अच्छी थी, पर बच्चों को दवा खिलाकर पूर्वं से तैयार सूची में निशान लगाया जा रहा था, प्रचार–प्रसार हेतु पोस्टर बैनर लगा हुआ था। आशा द्वारा बच्चों को दवा खाने में हेतु सहयोग प्रदान किया जा रहा था।

* उक्त भ्रमण के दौरान पाई गई कमियों से नोडल अधिकारी, आर0बी0एस0के0/आर0के0एस0के0, झांसी को अवगत कराया गया एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी, झांसी से समन्वय कर दिनांक 15/02/2016 को आयोजित मॉप–अप राउन्ड के दौरान छूटे हुये बच्चों को दवा खिलाना सुनिश्चित किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।